an>

Title: Regarding cases of corrutpion since 1952.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि वर्ष 1952 से लेकर वर्ष 2015 तक जितने स्कैंडल्स इस देश में हुए हैं, ...(व्यवधान) चाहे वह मुंदड़ा कांड हो, ...(व्यवधान) चाहे वह जीप कांड हो, ...(व्यवधान) चाहे वह बोफोर्स हो...(व्यवधान) चाहे हमारे दो प्रधानमंत्री जी, जिनके ऊपर एफ.आई.आर. हो।...(व्यवधान) *â€¦* के ऊपर एफ.आई.आर. हो*â€¦* के ऊपर एफ.आई.आर. हो *को भगाने की बात हो. *â€¦* को भगाने की बात हो...(व्यवधान) *â€¦* में दो-दो मुख्यमंत्रियों के फंसने की बात हो...(व्यवधान) क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनी में,...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि विदेश के कोर्ट में हम ब्राइब लेते हैं,...(व्यवधान) हम करप्ट करते हैं।...(व्यवधान) एक करप्ट कंट्री के रूप में हमारा नाम आ रहा है।...(व्यवधान) *â€¦* के जेल जाने का सवाल हो।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप किसी व्यक्ति का नाम नहीं लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी व्यक्ति का नाम कार्यवाही में नहीं जायेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे : मेरा यह कहना है कि चाहे टू-जी हो, सी.डब्ल्यू. जी. या कोलगेट हो ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि वर्ष 1952 से लेकर वर्ष 2015 तक जितने करप्शंस हुए हैं...(व्यवधान) सारे करप्शंस का एक व्हाइट पेपर जारी होना चाहिए।...(व्यवधान) और ये चालीस लोग जो पार्लियामेंट का मुंह बंद करना चाहते हैं,...(व्यवधान) जिन्होंने बंधक बना रखा है, ...(व्यवधान) जिन्होंने रैनसम कर रखा है,...(व्यवधान) इसके लिए सरकार कोई व्यवस्था करे, ...(व्यवधान) आप कोई व्यवस्था करें...(व्यवधान) पार्लियामेंट में भ्रष्टाचार के ऊपर एक डिसकशन हो।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से यह सरकार से आग्रह करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. किरिट पी. सोलंकी, कुमारी शोभा कारान्दलाजे और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री निशिकान्त दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।